पंजीयन प्रपत्र

नाम.....

पदनाम.....

विभाग.....

संस्था का पता.....

पत्र व्यवहार का पता.....

ई-मेल.....

फोन नंबर- कार्यालय/निवास.....

मोबाईल नं.....

शोध पत्र शीर्षक.....

प्रतिभागी के हस्ताक्षर

पंजीयन शुल्क

पंजीयन शुल्क - 1000/- रूपए

विद्यार्थियों हेतु - 500/- रूपए

पंजीयन की अंतिम तिथि 10 मार्च 2017 है।

पंजीयन शुल्क नगद/ड्राफ्ट (प्राचार्य के नाम) से जमा किया जा सकता है।

अन्तिम तिथि के बाद पंजीयन केवल नगद में 1,200/- रूपये का किया जा सकता है। बाहर से आने वाले प्रतिभागी अपने यात्रा-व्यय एवं आवास की व्यवस्था कृपया स्वयं करें।

10 मार्च तक प्राप्त शोध पत्रों का प्रकाशन प्रवासी भारतीय साहित्य की अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका (ISSN) 'गर्भनाल' में प्रकाशित होंगे। शोध पत्र सॉफ्ट कॉपी कृतिदेव10 फॉन्ट 14 साईज में ईमेल seminarhindi17@yahoo.com पर भेजें

अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार

27-28 मार्च 2017

वैश्वीकरण और भाषाई चुनौतियाँ

Globalization & Linguistic Challenges

प्रायोजक

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

संरक्षक

डॉ. नलिनी जोशी

प्राचार्य, श्री अटलबिहारी वाजपेयी

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर

संयोजक

डॉ. कला जोशी

विभागाध्यक्ष-हिन्दी

समन्वयक

डॉ. राजीव शर्मा

विभागाध्यक्ष-पत्रकारिता

आयोजन सचिव :
डॉ. सुषमा श्रीवास्तव
डॉ. मंजरी अग्रवाल

संयोजन समिति :
डॉ. आशा अग्रवाल,
डॉ. मनीषा मरकाम,
डॉ. बिन्दु परस्ते

परामर्श मण्डल

डॉ. अनूप व्यास – विभागाध्यक्ष– वाणिज्य
डॉ. अमर वतनानी–यू.जी.सी. सेल,
डॉ. डी.के गुप्ता, डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. विजया अग्रवाल,
डॉ. सुरेखा पंडित, डॉ. रोशन बैंजामिन खान
श्री आत्माराम शर्मा संपादक 'गर्भनाल' प्रवासी भारतीयों की मासिक पत्रिका
डॉ. हाइंस वेर्नर वेसलर विभागाध्यक्ष हिन्दी उपसला विश्वविद्यालय स्वीडन
डॉ. रामप्रसाद भट्ट प्राध्यापक हिन्दी हम्बुर्ग विश्वविद्यालय जर्मनी

महोदय,

वर्तमान समय भाषाई संक्रमण से आक्रांत है। वैश्वीकरण ने जहाँ देशों की दूरी को पाटा है, वहीं भाषाओं की सीमा का अतिक्रमण भी किया है। बाजार में तब्दील होते विश्व में ज्ञान, सूचना और भाषा पर आधारित 'चौधराहट' में अविकसित और विकसनशील देशों की भाषाओं को जबरदस्त क्षति पहुँचाई है। अन्तर्राष्ट्रीय भाषा की ललक ने अन्य भाषाओं के समाने अस्तित्व का संकट पैदा कर दिया है। ऐतिहासिक परंपरा की दीर्घकालीन अवधि से गुजरने वाली भाषाएँ भी आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक चुनौतियों को झेलते हुए बाजारवाद की भेंट चढ़ रही है। जनसंख्या बहुल भाषाएँ अपना वर्चस्व तो सिद्ध कर पा रही ह, किंतु वैज्ञानिक–तकनीकी आयामों में उनकी उपस्थिति नगण्य–सी है। भौगोलिक, मनोवैज्ञानिक परिस्थितियाँ, सामाजिक की भाषाई क्षमता और कौशल को चुनौती तो देती ही हैं, साथ ही उसकी अस्मिता के लिए भी प्रश्नचिन्ह खड़े कर देती हैं। सांस्कृतिक टकराव भाषा के आधार को डिगाने की भरपूर कोशिश करता है। ऐसे संक्रमणशील समय में भाषा का प्रश्न हर सामाजिक को उद्वेलित करता है। इसी उद्वेलन से उठे प्रश्नों, चुनौतियों को लेकर इस सेमिनार में वैचारिक विमर्श और समाधान हेतु आप सभी आमंत्रित हैं।

डॉ. कला जोशी

रूपरेखा

27–28 मार्च 2017 को आयोजित इस दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार "वैश्वीकरण और भाषाई चुनौतियाँ" की विभिन्न सत्रों की रूपरेखा इस प्रकार रहेगी –

27 मार्च 2017

महाविद्यालय का कलाम कक्ष –
प्रातः 10 बजे – पंजीयन
उद्घाटन सत्र – 11 बजे से 12.30

प्रथम समानान्तर सत्र 12.30 से 2.00

भाषाई मंच (कलाम कक्ष)
संयोजकः डॉ. आशा अग्रवाल, डॉ. उषा जैन

द्वितीय समानान्तर सत्रः 12.30 से 2.00

आर्थिकी मंच (कक्ष क्रमांक – 01)
संयोजकः डॉ. अलका रोड़े, डॉ. कविता अग्रवाल

तृतीय समानान्तर सत्रः 12.30 से 2.00

सामाजिक विज्ञान मंच (कक्षा क्रमांक–02)
संयोजकः डॉ. सुलभा काकिर्डे, डॉ. सुधीर सक्सेना

चतुर्थ समानान्तर सत्रः 12.30 से 2.00

मानविकी मंच (कक्ष क्रमांक–3)
संयोजकः डॉ. प्रेरणा ठाकुर, डॉ. अश्विनी शर्मा

भोजनावकाश : 02.00 से 02.30

पंचम सत्रः 02.30 से 04.00

कलाम कक्ष
वैज्ञानिक एवं तकनीकी मंच
डॉ. संजय जैन, डॉ. मनीषा मरकाम

28 मार्च 2017

खुला सत्रः 10 से 11.30 कलाम–कक्ष
संयोजकः डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. बिन्दु परस्ते

समापन सत्रः

कलाम कक्षा 11.30 से 12.30

संपर्क सूत्र

डॉ. कला जोशी – 9827593358
डॉ. राजीव शर्मा – 9302100672
डॉ. सुषमा श्रीवास्तव – 9407146720
डॉ. आशा अग्रवाल – 9303229317
डॉ. मनीषा मरकाम – 7354333624
डॉ. बिन्दु परस्ते – 9424008691
डॉ. कविता अग्रवाल – 9826359517

शोध पत्रों हेतु उपशीर्षक

भाषाई मंच

वैश्वीकरण में भाषा की महत्ता, भाषा की प्रयोजनीयताः विविध आयाम, भाषाई चुनौतियाँ और व्यक्तित्व विकास, रोजगारपरक भाषाई आयाम, संचार भाषा, स्त्री भाषा के विविध आयाम।

आर्थिक मंच

औद्योगिक विकास में भाषाई चुनौतियाँ, बाजारवाद और भाषाई संक्रमण, नोटबंदी के साईड इफेक्ट में भाषाई संचार की भूमिका, व्यापार–व्यवसाय में भाषाई व्यवहार, विभिन्न आर्थिक संस्थानों में भाषा की स्थिति एवं दिशा इत्यादि।

सामाजिक विज्ञान मंच

समाज में भाषा का बदलता स्वरूप, भाषाई समाज और सांस्कृतिक अस्मिता, संस्कृतिकरण में भाषा की भूमिका, सोशल मीडिया में भाषाई चुनौतियाँ आदि।

मानविकी मंच

साहित्य लेखन में भाषाई–चुनौतियाँ, इतिहास लेखन का भाषाई परिदृश्य, इतिहास लेखन की समस्याएँ, भाषा का मनोविज्ञान, योग–संचार में भाषा की भूमिका और स्वरूप आदि।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी मंच

वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र की भाषाई चुनौतियाँ, पुस्तकालय विज्ञान में भाषा, विज्ञान लेखन में भाषा समस्या आदि।

जिज्ञासा मंच (विविध/खुला मंच)

करिश्माई व्यक्तित्व निर्माण में भाषा की भूमिका जनसंचार और भाषा, भाषाई भूगोल अन्य विषय एवं जिज्ञासाएँ।